भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था स्थिति रिपोर्ट 2025

स्रोत: द हिंदू

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (ICRIER) द्वारा जारी **भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था (State of India's Digital Economy- SIDE) रिपोर्ट, 2025** के अनुसार भारत **तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था** है, लेकिन **डिजिटल उपयोगकर्त्ता व्यय** में इसका स्थान केवल **28वाँ** है, जो प्रति व्यक्ति डिजिटल प्रौद्योगिकी उपयोग में अंतराल को दर्शाता है।

- उक्त रिपोर्ट में डिजिटलीकरण को मापने के लिये कनेक्ट-हार्नेस-इनोवेट-प्रोटेक्ट-सस्टेन (CHIPS) ढाँचे का उपयोग किया गया है, **जिसमें प्रौद्योगिकी, आर्थिक और सामाजिक कारकों** को शामिल किया जाता है।

मुख्य निष्कर्ष:

- **तीव्र डिजिटल विकास**: भारत की **डिजिटल अर्थव्यवस्था** इसकी समग्र अर्थव्यवस्था की तुलना में **दोगुनी तेज़ी से बढ़ रही है** और अनुमानतः वर्ष **2029** तक सकल घरेलू उत्पाद में इसका **20% का योगदान** होगा।
- **इंटरनेट बनाम डिजिटल व्यय**: यद्यपि भारत में **इंटरनेट सुविधाओं की पहुँच व्यापक** है, किंतु वास्तविक डिजिटल व्यय **वैश्विक मानकों** से कम है, जो आर्थिक भागीदारी अंतराल को उजागर करता है।
- **भारत की AI स्थिति:** भारत AI अनुसंधान में 11वें और AI अवसंरचना में 16वें स्थान पर है।
  - **अमेरिका**, **चीन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और नीदरलैंड** AI नवाचार में अग्रणी देश हैं।
  - आर्थिक आकार और डिजिटल उपयोगकर्त्ता अर्थव्यवस्था दोनों पर विचार करते समय, भारत विश्व स्तर पर 8वें स्थान पर है।
- **ICRIER:** यह एक **स्वतंत्र भारतीय थिंक टैंक** है, जो भारत के विकास में सहायता करने हेतु **आर्थिक संवृद्धि, व्यापार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और जलवायु परिवर्तन** पर नीति अनुसंधान प्रदान करता है।

और पढ़ें: भारत के डिजिटल विकास की दिशा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/state-of-india-s-digital-economy-report-2025